वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 199 | शुक्रवार 17 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कमिश्नर जोसफ ने जयपुर पुलिस के बहादुरों को दिया दीपावली पर स्नेह भोज

जयपुर. कासं। आगामी विधानसभा चुनावों के साथ दीपावली पर सतर्कता के साथ लगातार कई घंटे ड्यूटी कर पर शांतिपूर्वक माहोल कायम रखने वाली जयपुर कमिश्नरेट पुलिस के लिए स्नेह मिलन समारोह रखा गया। कमिश्नरेट कार्यालय में आयोजित स्नेह मिलन समारोह में कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने सभी पुलिसकर्मियों व अधिकारियों को शुभकामनाएं दी और दीपावली त्योहार की तरह विधानसभा चुनावों में भी सतर्कता व सदभावना के साथ उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों ने हमेशा अपनी ड्यूटी पूर्ण निष्ठा एवं कत्र्तव्यपरायणता के साथ की। उन्होंने थाना पुलिस के साथ ड्यूटी के चलते जो पुलिसकर्मी स्नेह मिलन समारोह में शामिल न हो सके, उनकी हौसलाअफजाई की। समारोह में एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश बिश्नोई, कुंवर राष्ट्रदीप, राहुल प्रकाश, डीसीपी ज्ञानचंद यादव, संजीव नैन, राशि डोगरा डूडी, योगेश गोयल, लक्ष्मण दास सहित एडिशनल डीसीपी, एसीपी और कमिश्नरेट कार्यालय के कर्मचारी शामिल हुए।

30 हजार कैदियों में से सिर्फ 23 कर सकेंगे मतदान

जयपुर सेंट्रल जेल में 1600 में से सिर्फ 3 को मिलेगा मौका, अधिकारी बोले- बंदी खुद ही नहीं करना चाहते वोटिंग

जयपुर. कासं। राजस्थान में 25 नवंबर को विधानसभा चुनावों के लिए वोटिंग होगी। चुनावों में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए विभाग लोगों को लगातार जागरूक कर रहा है। घर-घर वोटिंग करवाई जा रही है। दूसरी तरफ राजस्थान की जेलों में बंद 30 हजार कैदी वोट नहीं कर पाएंगे। सरकार ने केवल जेलों में राजपासा एक्ट में बंद कैदियों को ही मतदान करने का मौका दिया है। इस पर अधिकारियों का कहना है कि कैदी खुद ही वोटिंग नहीं करना चाहते हैं। क्योंकि उन्हें खुद इसकी पूरी प्रक्रिया करनी पड़ती है। राजस्थान की सेंट्रल जेलों में राजपासा एक्ट में कुल 23 कैदी बंद हैं। इस एक्ट के तहत बंदियों की करीब एक साल तक जमानत नहीं होती है। ये 23 कैदी वो हैं जिन्हें चुनाव आयोग या जिला पुलिस अधीक्षक के आदेश पर इसलिए बंद किया जाता है, क्योंकि चुनाव प्रभावित हो सकता है। इन्हें ही जेल में रहने के दौरान वोट देने का मौका दिया हुआ है। वहीं, जयपुर सेंट्रल जेल में राजपासा एक्ट में केवल 3 कैदी बंद हैं। इन कैदियों के मतदान डाक मतपत्र से होगा। इसको लेकर गृह विभाग ने जेल डीजी को पत्र लिखकर प्रदेश की जेलों में बंद राजपासा के कैदियों की जानकारी मांगी है। ताकि संबंधित विधानसभा क्षेत्र में रिटर्निंग अधिकारी को डिटेल भेजकर डाक मत पत्र से मतदान कराया जा सके। डीजी जेल भूपेन्द्र दक ने गृह विभाग के आदेश के बाद सभी सेंट्रल जेल व जिला जेल के अधीक्षक को पत्र लिखकर इन कैदियों की जानकारी मांगी थी। इससे पता चला है कि प्रदेश में राजपासा के तहत केवल 23 कैदी बंद किए हुए हैं। जानकारी के अनुसार राजस्थान की सभी सेंट्रल जेल, जिला जेल और खुली जेल में करीब 30 हजार से अधिक कैदी हैं। जयपुर की सेंट्रल जेल में करीब 1500 बंदी, जिला जेल में 600 कैदी, ओपन जेल में 500 कैदी और महिला जेल में 200 महिला बंदी है। इन लोगों से मताधिकार का इस्तेमाल नहीं कराया जा रहा है। डीजी जेल भूपेन्द्र दक ने बताया- जेल में बंद कैदी को वोटिंग का अधिकार है। वह चाहे तो जेल अधीक्षक या चुनाव आयोग को वोटिंग के अधिकार के तहत पत्र लिख सकते हैं। जेलों में बंद कैदी-बंदी को खुद इस प्रक्रिया से गुजरना होता है। बहुत कम कैदी होते हैं जो वोटिंग के अधिकार के तहत वोट करने की मंशा जाहिर करते हैं। आज तक राजस्थान में यही प्रक्रिया चल रही हैं।

भाजपा ने हमेशा आमजन के सपने पूरे किए : राजे

जयपुर. कासं

पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि कांग्रेस और भाजपा दोनों सरकारों के काम काज को जनता ने देखा हैं। परखा है। दिल पर हाथ रख कर तुलना करोगे तो पाओगे भाजपा की सरकार लोगों के सपने पूरे करती है, जबकि कांग्रेस सरकार सिर्फ सपने दिखाती है। पूर्व सीएम राजे प्रतापगढ़ से भाजपा प्रत्याशी हेमंत मीणा, आसपुर प्रत्याशी गोपी चंद मीणा, गढ़ी प्रत्याशी कैलाश मीणा और बाँसवाड़ा प्रत्याशी धन सिंह रावत के समर्थन में आयोजित सभाओं में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जाति को जाति से, भाई को भाई से लड़ाने का काम करती है। समाज को बांटने का काम करती है, जबकि भाजपा लोगो को लोगों से जोड़ने का काम करती है। भाजपा जो भी वादा करती है, वह पूरा करती है। लेकिन कांग्रेस वादा तो करती है, पर पूरा नहीं करती। वादों के नाम पर लोगो को ठगती है। न बिजली, न पानी, न सड़क, न शिक्षा, न कानून और व्यवस्था। कांग्रेस की यही कहानी है। महिलाओं के साथ अत्याचार सर्वाधिक राजस्थान में है। भ्रष्टाचार में कीर्तिमान कायम कर रखा है। आज स्कूलों में अध्यापक नहीं। कॉलेज में व्याख्याता नहीं। अस्पताल में डॉक्टर नहीं। पद खाली है पर नौकरी नहीं। पेपर लीक में रिकॉर्ड हो गया। उन्होंने कहा एक तरफ तो पीएम मोदी हैं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण का सपना साकार किया। गरीब कल्याण, जन धन, आयुष्मान, उज्ज्वला, किसान सम्मान निधि, मुद्रा और बीमा योजना के माध्यम से करोड़ों देशवासियों के जीवन को खुशहाल किया और एक तरफ गहलोत सरकार है, जिसने प्रदेश को बदहाल किया। रोज 20 बलात्कार, 7 हत्याएं, 19 बार पेपर लीक कर 70 लाख युवाओ के सपनों पर पानी फेरा। इससे पहले राजे जयपुर में भाजपा के संकल्प पत्र विमोचन कार्यक्रम में भी शामिल हुईं।

एंड पिक्चर्स पर 'चुप' के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ जबर्दस्त रोमांच और सनी देओल की एक्शन-पैक्ड परफॉर्मेंस के लिए हो जाइए तैयार

जयपुर. शाबाश इंडिया

एंड पिक्चर्स अपने दर्शकों के लिए चुप : रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर लेकर आ रहा है। यह एक ऐसी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है, जो इंसानी सोच के अंधेरे कोनों की पड़ताल करती है और फिल्म इंडस्ट्री की कमजोर तह तक जाती है। यह फिल्म सिनेमाई दुनिया की बेबाक हकीकत बयां करती है, जहां फिल्म समीक्षक अनजाने में अपने ही कड़े फैसलों के शिकार हो जाते हैं और एक दर्दनाक अंत का सामना करते हैं। जब पूरा शहर इस तरह की भयानक वारदातों से गुजर रहा होता है, तब इंस्पेक्टर जनरल अरविंद माथुर, जिनका रोल सनी देओल ने निभाया है, को इस सीरियल किलर को बेनकाब करने का मुश्किल काम सौंपा जाता है, जो इन निर्मम हत्याओं के लिए जिम्मेदार है। फिल्म 'चुप' दर्शकों को फिल्म समीक्षा का स्याह, भयानक और सनसनीखेज पहलू दिखाती है। इसमें सिलसिलेवार कत्ल की रोंगटे खड़े कर देने वाली ऐसी वारदातें होती हैं, जिसने हमारे शहर की नाक में दम कर दिया है। जहां एंड पिक्चर्स

फुल ऑन थ्रिल के अपने वादे पर खरा उतर रहा है, वहीं यह चैनल 18 नवंबर को रात 9 बजे फिल्म चुप का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर लेकर आ रहा है। अपने बढ़िया डायरेक्शन और शानदार एक्टिंग के लिए आलोचकों और प्रशंसकों द्वारा बेहद सराही गई चुप: रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट को आईएमडीबी पर 7.6 की रेटिंग मिली है। इस फिल्म के लिए निर्देशक आर. बाल्की ने दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड भी अपने नाम किया है। फिल्म में बेहतरीन कलाकार हैं और बेहद टैलेंटेड डैनी समेत कुछ संदिग्ध किरदार हैं, जिसका रोल दिलकश एक्टर दलकीर सलमान ने निभाया है। इस फिल्म के लिए दलकीर सलमान को भी दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड में बॉलीवुड का अपना पहला अवॉर्ड मिला। इसमें उन्होंने एक फूल वाले की भूमिका निभाई है, जो बड़ा उलझा हुआ किरदार है। इस फिल्म में श्रेया धनवंतरी ने एक उभरती पत्रकार नीला का किरदार निभाया है, जिसके अपने गहरे राज हैं और पूजा भट्ट डॉ. जेनोबिया के किरदार में नजर आई हैं। यह कहानी कुछ प्रमुख संदिग्धों पर केंद्रित है और किस तरह ये सभी किरदार बड़ी रहस्यमय परिस्थितियों में सामने आते हैं, जिनमें कोई भी शक के दायरे से बाहर नहीं होता। फिल्म चुप के पीछे के मास्टरमाइंड डायरेक्टर आर. बाल्की ने इसके वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कहा, ''मैं एंड पिक्चर्स पर चुप के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ इस फिल्म को ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचाने के लिए बेहद उत्साहित हूं क्योंकि इस फिल्म ने मुझे दादा साहब फाल्के अवॉर्ड (बेस्ट डायरेक्टर) जैसा बड़ा सम्मान दिलाया है। हमने इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर को बनाने के लिए दिल से मेहनत की है, जो अपनी पेचीदा कहानी और रहस्यमय प्रस्तुतिकरण के साथ दर्शकों को चुनौती देती है और उनमें दिलचस्पी जगाती है। इस प्रीमियर के साथ चुप छोटे पर्दे पर एक नए स्तर की उत्सुकता जगाएगी और मुझे यह देखने का बेसब्री से इंतजार है कि कैसे एक बार फिर यह फिल्म दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखती है।''

चातुर्मास मंगल कलश निष्ठापन कार्यक्रम गाजे-बाजे से सम्पन्न

बेन्ड बाजों के साथ चातुर्मास मंगल कलश यात्रा निकाली गई

विमल जौंला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे चातुर्मास कर रहे जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज एवं क्षुल्लक अकम्प सागर महाराज के सानिध्य में चातुर्मास निष्ठापन मंगल कलश यात्रा गाजे बाजे से निकाली गई जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। चातुर्मास कमेटी के प्रचार प्रसार संयोजक विमल जौंला ने बताया कि चातुर्मास निष्ठापन मंगल कलश यात्रा जैन बिचला मंदिर शांतिनाथ भवन से निकाली गई जिसमें मुख्य मंगल कलश निष्ठापन कार्यक्रम में मूलचंद त्रिलोक चंद बंटी जैन अक्षय कुमार जैन पांडया हरभगतपुरा परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान कलश निष्ठापन यात्रा में अनिल कुमार महुआ, हेमचंद हर्षित कुमार संधी, ज्ञानचंद अजय कुमार सोगानी, राजेश कुमार नरेश कुमार पाटनी जौंला को मुनि श्री ने विधि विधान से पूजा अर्चना रजत मंगल कलश स्थापना करने का सौभाग्य मिला। इस अवसर पर गुरुवार को गाजे बाजे से भगवान शांतिनाथ एवं सुपार्श्वनाथ के दर्शन करके चातुर्मास मंगल कलश यात्रा निकाली गई जो बड़ा बाजार बस स्टैंड अहिंसा सर्किल भगवान महावीर मार्ग होते हुए दीनदयाल कालोनी पहुंचे जहां भक्ति भाव से भजन कीर्तन के साथ मंगल कलश स्थापित किया गया। इस अवसर पर नवरत्न टोंग्या पुनित संधी गोमुखी ब्रांड सरसों

तेल के निर्माता मनन दत्तवास बंसी ब्रांड तेल के निर्माता विष्णु बोहरा विमल सोगानी प्रेमचंद सोगानी शिखरचंद काला सहित कई लोग मौजूद थे।जौंला ने बताया कि 20 नवम्बर से अष्टान्हिका महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा जिसमें 20 नवम्बर से 28 नवम्बर तक सिद्ध चक्र मण्डल विधान आयोजित किया जाएगा। जौंला ने बताया कि 29 नवम्बर को पिच्छिका परिवर्तन समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा।

चीन्सा गांव मे निकाली मतदान जागरुगता रैली

सिमलिया. शाबाश इंडिया

क्षेत्र के चीन्सा गांव के युवाओं ने मिलकर मतदान जागरुगता रैली निकाली और समस्त ग्राम वासियों से निवेदन किया की देश के हित के लिए आप सभी 25 नवम्बर को मतदान करे। इस दौरान वहां पर भारती नागर, ममता मीणा, दीपक मीणा, सुरेंद्र, लोकेश, यादराम गोचर, हरपाल योगी रूपनारायण वैष्णव आदि ग्रामवासी उपस्थित रहे।

धर्म से ही आत्मा का अभ्युदय होता है और आत्मा को संसार से मुक्ति मिलती है: महासती धर्मप्रभा

सुनील चापलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। धर्म से ही आत्मा का अभ्युदय होता है और आत्मा को संसार से मुक्ति मिलती है। गुरूवार साहुकार पेट जैन भवन में महासाध्वी धर्मप्रभा ने आयोजित धर्मसभा में श्रध्दालूओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि धर्म-कर्म से ही आत्मा का कल्याण हो सकता है। मानव भव बार बार नहीं मिलता है अंनत पुण्यवानी करने पर प्राप्त होता था। मनुष्य जीवन मिलने के बाद उसने धर्म के मार्ग पर वो नहीं चलता है तो उसे जीवन में सुख नहीं मिल पाएगा और ना हि वह अपनी आत्मा को संसार से मुक्ति दिलवा सकता है आत्मा को मुक्ति तब मिल सकती है जब मनुष्य मोह का त्याग करे और वह पुरूषार्थ करता है तो वह अपने मानव भव को सार्थक बना सकता है और इस आत्मा को अनंता अनंत जीवा योनियों के दुखों में भटकने से बाहर निकालकर आत्मा को मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति करवा सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि क्रोध और तूफान एक जैसे होते हैं, दोनों के शांत होने के बाद पता चलता है कि नुकसान कितना हुआ है गुस्सा एक ऐसी बुराई है, जिसकी वजह से सभी अच्छे गुण खत्म हो जाते है और इंसान एक पल में शैतान बन जाता है और स्वंय का विनाश कर लेता है अंत में पश्चाताप के अलावा कुछ नहीं बचता है। मनुष्य को क्रोध से जितना बचेगा और शांत रहेगा तभी वह जीवन मे उपलब्धि प्राप्त कर सकता है। साहुकारपेट श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीर चंद सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया धर्मसभा अनेक भाई -बहनों ने उपवास आर्यंबिल एकासन व्रत आदि के साध्वीवृंद से प्रत्याखान लिए तप करने वालो और धर्मसभा में पधारे अतिथियों का सुरेश डूंगरवाल,शम्भू सिंह कावड़िया मंत्री सज्जनराज सुराणा ने स्वागत किया।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

108 फूट उत्तुंग कलशाकार सहस्रकूट जिनालय का होगा निर्माण

गुंसी. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी (राज.) की पावन धरा पर विराजित गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सान्निध्य में अभिषेक, शांतिधारा करने के लिए प्रतिदिन दूर-दूर से यात्रीगण पधार रहे हैं। आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य अवसर दिनेश गंगवाल सवाईमाधोपुर, महेश मोटुका व शैलेन्द्र निवाई वालों ने प्राप्त किया। शांतिनाथ प्रभु की बड़े-भक्तिभावों से पूजन की गई। संगीतमय भजनों के माध्यम से सभी भक्ति का आनंद ले रहे थे। पूज्य माताजी के उपवास के बाद पारणा कराने का अवसर मालवीय नगर जयपुर समाज व निवाई समाज ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को मंगल देशना का रसपान कराते हुए कहा कि - वर्तमान समय में सभी की मिथ्यात्व की बुद्धि बन गई हैं। आज के समय में इंसान स्वयं धर्म कार्य नहीं करता और जो दूसरे करते हैं उन्हें भी नहीं करने देता। मिथ्या भ्रांति फैलाकर धर्म कार्य में विघ्न डालता है। ऐसे लोगों से दूर रहना चाहिए जो देव शास्त्र गुरू की सेवा में रोक लगाये। देव शास्त्र गुरू की निंदा करने, सेवा में विघ्न डालने से निधत्ति निःकांक्षित जैसे कर्म बंधते हैं। अतः मेरा आप सभी से इतना ही कहना है देव - शास्त्र - गुरू के प्रति सेवा, दान आदि के भाव बनाये रखें क्योंकि इसके अच्छे और बुरे फलों को हमें ही भोगना है किसी अन्य को नहीं। आगामी 10 दिसम्बर 2023 को माताजी ससंघ के पिच्छिका परिवर्तन एवं 108 फूट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के भूमि शुद्धि का कार्यक्रम रहेगा।

सप्तम पुण्यतिथि

स्व. श्री मनोज (सोनू) छाबड़ा

की सप्तम पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित करते है।

: श्रद्धावनत :

गुणमाला देवी (माता), विनोद (मोनू) - रविना छाबड़ा (भ्राता-भ्रातावधू), अरायना (भतीजी)

पदम चन्द (चाचा), सुमित (भाई), संगीता-निर्मल जी रारा (बहन-बहनोई), संयम, हर्षित (भान्जे), कुसुम ठोलिया (मोसी)

: ननिहाल पक्ष :

रतनलता, हीरामनी, हेमा, भागचन्द, दिलीप, प्रदीप, दीपक, मुकेश, गौरव, वैभव लुहाडिया नरैना वाले

वेद ज्ञान

परिचय का महत्व

जिनके पास जो नहीं रहता, उसी के विषय में जिज्ञासा की जाती है। जिसका परिचय होता है, उसका परिचय नहीं पूछा जाता। जानने वाले जान जाते हैं। किसी से मिलते ही परिचय जानने की छटपटाहट समस्याएं उत्पन्न करती है। प्रसंग और संदर्भ में तो परिचय का महत्व होता है, पर अपनी धुन में चले जा रहे व्यक्ति का परिचय जानने के लिए पग-पग पर टोकना आहत करता है। किसी को अपनी ओर आकर्षित करने की अनेक विद्याएं निकाली जाती हैं। परिचय जानने वाले दो प्रकार के होते हैं। प्रथम वे होते हैं, जो स्वयं को महान मानकर सामने वाले के अनादर से नहीं हिचकिचाते। अपने प्रश्न के स्तर का उत्तर चाहते हैं। वे स्वयं को दुधमुंहे बच्चे की भांति नवजात आयु का मानते हैं। ऐसे लोग नहीं जानते पात्रता के अनुसार कार्य करने वाले जीवन भर सुंदर लगते हैं। होनहार लोग प्रतिकूलता को अनुकूलता बनाने में आयु खपाते हैं। दूसरे प्रकार के वे अच्छे लोग हैं, जो हाव-भाव या अपने मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से अपने पारिवारिक संस्कारों का परिचय देते हैं। गुण ग्राहकता जन्मजात होती है। दूसरों में गुण तलाशने का तप गुदड़ी के लाल करते हैं। विद्वानों को आगे बढ़ाने वाले सरस्वती पुत्र कम बचे हैं। चरण खींचकर हाशिये पर करने की होड़ में उच्चकुल नहीं रहता। इतिहास में चमकने वाले महान व्यक्तित्वों को ऊंचाई देने का श्रेय ऐसे लोगों को है, जिन्होंने उनके गुणों को परखकर उन्हें आगे बढ़ाकर मानव से महामानव बनाया। दृष्टिकोण के अनुसार विश्व दिखाई देता है। अचानक मिलने वाले अपने सकारात्मक प्रभाव से किसी को भी विश्वविख्यात बना देते हैं। परिचय की श्रेष्ठता एक-दूसरे से जोड़ने का अवसर देती है। कभी-कभी परिचय अनहोनी होनी बनकर जौहरी से हीरे को मिलाती है। शब्द की ऊर्जा का आलोक संगीत की झंकार बनता है। बड़े-बड़े गुमनाम हो जाते हैं, जब परिचय कराने वाले गूंगे बनकर छलते हैं। जिनके परिचय देने से किसी की हिमालय जैसी ऊंचाई संसार जान जाता है, उनसे राह बचाई जाती है। अपने दायित्व से मुकरने वालों को कभी इतिहास क्षमा नहीं करता। अच्छाई की अनदेखी एक दिन खुल ही जाती है। कुछ लोग पद और धन जांचते हैं और वहींकुछ लोग उपलब्धि और प्रतिष्ठा भांपते हैं। यही परिचय का वास्तविक अर्थ है।

संपादकीय

काले और सफेद के बीच भूरा रंग कहीं गुम हो गया है...

दुनिया भर में दक्षिण के उभरने का एक परिणाम यह भी हुआ है कि विश्वमत बुरी तरह से विभक्त हो गया है। काले और सफेद के बीच भूरा रंग कहीं गुम हो गया है। लोग या तो आपके साथ हैं या आपके खिलाफ। उन तमाम लोगों की प्रतिक्रिया, जिनसे चुनौती भरे मौकों पर भी अपना धैर्य और संतुलन बनाए रखने की उम्मीद की जा सकती है, आपको निराश कर सकती है। गाजा की हालिया घटनाओं में यही हुआ। फलस्तीन विवाद के इतिहास में झांकने से स्पष्ट हो जाएगा कि वर्षों के खूनखराबे के बाद पिछले तीन-चार साल के दौरान इसका एक ऐसा हल निकलने की सबसे अधिक संभावना हो गई थी, जो दोनों पक्षों के बड़े हिस्सों को मान्य होता। मगर 7 अक्तूबर, 2023 को सुबह सबेरे इजरायल के रिहायशी इलाकों पर हमास ने हमला करके डेढ़ हजार से अधिक लोगों को मारने और 250 से अधिक नागरिकों के अपहरण के साथ इसे काफी हद तक दूर की कौड़ी में तब्दील कर दिया। पूरा विश्व इस समय यहूदी और मुस्लिम खेमों में बंट गया है। हर कोने में, खासतौर से यूरोप और अमेरिका की सड़कों पर उत्तेजित प्रदर्शनकारियों के जुलूस निकल रहे हैं। शुरूआत में तो फलस्तीन समर्थक भारी पड़े, पर अब यहूदी भी काफी बड़ी तादाद में बाहर निकलने लगे हैं। पेरिस में तो एक प्रदर्शन में एक लाख से अधिक लोग इजरायल के पक्ष में सड़कों पर थे। कई स्थानों पर दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे से भिड़ंत की हद तक करीब आ गए। पश्चिमी देशों के लिए यह एक ऐसी अप्रत्याशित स्थिति थी, जिसके लिए वे बिल्कुल तैयार नहीं हैं। अपेक्षा के अनुसार, पश्चिमी देशों की ज्यादातर सरकारें इजरायल के पक्ष में खड़ी हैं। अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन समेत कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष तेल अवीब जाकर इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ अपनी एकजुटता का सार्वजनिक प्रदर्शन भी कर आए हैं। इनके बरक्स, मुस्लिम देशों के संगठन ओआईसी और अरब लीग भी अपने सम्मेलन करके इजरायल के खिलाफ तड़क-भड़क चुके हैं। इस बार विवेकी नहीं, अतिरेकी विमर्श हो रहा है। जो फलस्तीनियों के पक्ष में हैं, वे अपनी चर्चा में 7 अक्तूबर का जिक्र ही नहीं करते या करते भी हैं, तो उसे किसी क्रांतिकारी घटना की तरह चित्रित करते हैं। इसी तरह इजरायल समर्थक भूल जाते हैं कि 1,500 लोगों की हत्या या 250 नागरिकों के अपहरण के एवज में 15 हजार से अधिक लोगों का वध किसी भी तरह से जायज प्रतिक्रिया नहीं कही जा सकती। यहूदी समर्थक तमाम चैनल हैं, जिनके मन में रत्ती भर संशय नहीं था कि लड़ाई शुरू हमास ने की है और यह तब तक नहीं खत्म की जा सकती, जब तक उसका पूरी तरह से खात्मा नहीं हो जाता। जाहिर है, इस खात्मे की कीमत हजारों लोगों को अपनी जान से चुकानी पड़ेगी और वे चुका रहे हैं। अब तक एक तिहाई गगनचुंबी इमारतें जमींदोज हो चुकी हैं और हजारों लोग मारे जा चुके हैं। अब निशाने पर अल शिफा जैसे गाजा के सबसे बड़े अस्पताल हैं। इजरायल का दावा है कि हमास ने इस स्वास्थ्य केंद्र के नीचे तहखानों और सुरंगों में अपने कमांड सेंटर बना रखे हैं और हथियारों के जखीरे वहां जमा हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

दौड़ में दागी...

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में सत्ता की दावेदार पार्टियों ने अपने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है, तो यह स्वाभाविक ही है, क्योंकि मध्य प्रदेश में मतदान में जहां दो दिन बचे हैं, वहीं राजस्थान में आठ दिन और तेलंगाना में महज एक पखवाड़ा रह गया है, पर इन चुनावों का एक पहलू ऐसा है, जिसे स्वाभाविक नहीं होना चाहिए था, बल्कि आईंदा नहीं बनने देना चाहिए। इन चुनावों से जुड़े ''एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स'' (एडीआर) के विश्लेषण हैरान करने वाले तथ्य सामने ला रहे हैं। ताजा विश्लेषण मध्य प्रदेश से जुड़ा है। जिस प्रदेश की 25 फीसदी से भी अधिक ग्रामीण आबादी गरीबी रेखा के नीचे गुजर-बसर कर रही है, इससे भी कहीं बड़ी संख्या मुफ्त अनाज कार्यक्रम की मोहताज है, उस प्रदेश की नुमाइंदगी के लिए भाजपा और कांग्रेस ने भारी तादाद में करोड़पतियों को मैदान में उतारा है। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा के 87 प्रतिशत प्रत्याशी मालदार हैं, तो वहीं कांग्रेस ने 86 फीसदी अमीर प्रत्याशियों पर अपना दांव लगाया है। यहां तक कि आम आदमी की आवाज बनने का दावा करने वाली आम आदमी पार्टी के 59 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं। साफ है, यह तस्वीर समाज और सियासत के बीच की दूरी ही दशार्ती है, जहां धन-बल प्रत्याशियों की योग्यता का अनिवार्य पैमाना बनता जा रहा है। इससे भी परेशानकुन आंकड़ा दागी प्रत्याशियों का है। पिछली बार के मुकाबले इस बार भाजपा और कांग्रेस, दोनों ने कहीं बढ़कर दागी लोगों को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा के जहां 28.2 फीसदी उम्मीदवार आपराधिक मुकदमों का सामना कर रहे हैं, तो वहीं कांग्रेस ने 52.6 प्रतिशत दागी प्रत्याशी उतारे हैं। निस्संदेह, इनमें से काफी सारे लोगों के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध या विद्वेषवश मुकदमे कायम हुए होंगे और वे न्यायिक प्रक्रिया में आगे पाक-दामन करार दिए भी जाएं, पर सवाल यह है कि यह तस्वीर सुधरती हुई क्यों नहीं दिख रही? क्या मध्य प्रदेश में या किसी अन्य सूबे में साफ-सुथरी छवि के राजनेताओं की कमी पड़ती जा रही है? जब विधायी संस्थाओं में दागियों की संख्या बढ़ती जाएगी, तो फिर समाज के अपराधी तत्वों को इससे क्या संदेश जाएगा? पार्टियां यह कहकर अपने दायित्व से बच नहीं सकतीं कि वे जनता द्वारा निर्वाचित हैं। उन्होंने विकल्प ही दागी दिए थे। मतदाता सिर्फ प्रत्याशी को वोट नहीं करते, वे पार्टी और उसके नेतृत्व के आधार पर भी चयन करते हैं। यह तस्वीर चुनाव आयोग और देश की न्यायपालिका पर भी एक टिप्पणी है। दरअसल, जन-प्रतिनिधियों के खिलाफ मुकदमों के निपटारे में देरी ने राजनीतिक दलों को यह हौसला दिया है कि वे जिताऊ के नाम पर दागियों को भी गले लगा लें। उनकी यह दलील अपनी जगह वाजिब है कि सिर्फ मुकदमा दर्ज कर दिए जाने से पार्टी कार्यकर्ताओं के संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों को स्थगित नहीं किया जा सकता! निस्संदेह, हमारी अदालतों पर मुकदमों का भारी बोझ है, पर क्या वे जन-प्रतिनिधियों पर दर्ज हत्या, जानलेवा हमले, बलात्कार, अपहरण व आर्थिक धोखाधड़ी जैसे संगीन मामलों के त्वरित निपटारे की व्यवस्था नहीं कर सकतीं? सुप्रीम कोर्ट ने हाल में उच्च न्यायालयों को अलग पीठ गठित करने का निर्देश तो दिया है, पर जजों की कमी की शिकायत के बीच व्यावहारिक चुनौतियां भी हैं। भारतीय लोकतंत्र को यदि इन लांछनों से मुक्त करना है, तो चुनावी विषमताओं व दागियों से इसकी मुक्ति का रास्ता निकालना होगा।

नीट यूजी 2024 की तैयारी के लिए संपूर्ण मार्गदर्शन

विजय गर्ग

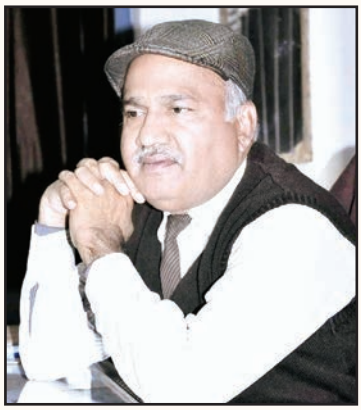

नीट, देश के शीर्ष मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए मेडिकल प्रवेश परीक्षा। इस परीक्षा के लिए हर साल लाखों अभ्यर्थी आवेदन करते हैं। इसलिए पूरी रणनीति तैयार करना महत्वपूर्ण हो जाता है. नीट की तैयारी करने वाले उम्मीदवार को पाठ्यक्रम पूरा करने और समय पर प्रश्नों का अभ्यास करने के लिए तैयारी योजना बनानी चाहिए। परीक्षा के बारे में नीट की तैयारी शुरू करने के लिए व्यक्ति को परीक्षा के बारे में सारी जानकारी होनी चाहिए। नीट या राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा अब शीर्ष सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए एकमात्र स्नातक प्रवेश परीक्षा बन गई है। हर साल लगभग 21 लाख छात्र भारत के शीर्ष मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए नीट परीक्षा देते हैं। प्रतिस्पर्धा निश्चित रूप से कठिन है. हालाँकि, सही रणनीति और सही मानसिकता से परीक्षा में जीत हासिल की जा सकती है। नीट परीक्षा में 3 खंड होते हैं- भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान जीवविज्ञान जूलॉजी वनस्पति विज्ञान परीक्षा पूरी करने के लिए 3 घंटे का सीमित समय है। अब जब आप जानते हैं, परीक्षा में समान महत्व के 3 खंड होते हैं। एनईईटी की तैयारी इस तरह से की जानी चाहिए कि आप अपना ध्यान सभी तीन खंडों पर समान रूप से विभाजित करें (कहना आसान है, करना आसान है)। एनईईटी तैयारी युक्तियाँ नीट की तैयारी को सुव्यवस्थित करने की जरूरत है। यहां कुछ नीट तैयारी युक्तियाँ दी गई हैं- साल भर की समय सारिणी बनाएं- आप पाठ्यक्रम को कैसे कवर करेंगे इसके बारे में। आप अपना दिन कैसे बिताएंगे, इसके लिए एक दैनिक समय सारणी बनाएं और उसके अनुसार योजना बनाएं। याद रखें यह एक लंबी मैराथन है लेकिन हर दिन एक स्प्रिंट है। सीमित सामग्री का अध्ययन करें। बहुत सारे अलग-अलग स्रोतों से अध्ययन न करें। इसके बजाय कुछ अच्छे स्रोतों पर टिके रहें और उन्हें नियमित रूप से संशोधित करें। एनसीईआरटी आधार सामग्री होनी चाहिए और इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। प्रत्येक विषय के लिए एक संदर्भ पुस्तक निर्दिष्ट करें और उसे पहले समाप्त करने का प्रयास करें। नियमित मॉक टेस्ट दें. यह सुनिश्चित करेगा कि आप वास्तविक नीट वातावरण में अभ्यास करें। प्रत्येक मॉक का विश्लेषण करें। यदि आप विश्लेषण नहीं करते और अपनी गलतियों में सुधार नहीं करते तो नीट की तैयारी पूरी नहीं होती। फॉर्मूला बुक बनाए रखें: फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के प्रत्येक अध्याय के लिए एक पेज का नोट्स बनाए रखें। ताकि परीक्षा से ठीक पहले पढ़ने में आसानी हो. ऊपर नीट की तैयारी के टिप्स दिए गए हैं जिनका पालन परीक्षा में सफल होने के लिए करना चाहिए। एनईईटी अध्ययन योजनाएं आपका पहला नीट प्रयास? नीट एक और प्रयास दे रहे हैं? नीट की तैयारी: सही सामग्री नीट की तैयारी की रणनीति को पहले सही सामग्री के साथ सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता है। तो यहां कुछ आवश्यक नीट तैयारी सामग्री दी गई है- एनसीईआरटी: एनसीईआरटी आपकी मूल सामग्री होनी चाहिए। इसे नजरअंदाज करना आपको भारी पड़ सकता है. नीट की तैयारी पूरी तरह से एनसीईआरटी पढ़ने पर आधारित होनी चाहिए। कोई भी अच्छी एनईईटी कोचिंग सामग्री- यह आपको वास्तविक एनईईटी पैटर्न के आधार पर प्रश्नों का अभ्यास करने का अवसर प्रदान करती है। पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र- इसे अनदेखा करें और आप बर्बाद हो जाएंगे। नीट की तैयारी के दौरान पिछले वर्ष के प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। तर्क सरल है, नीट अपने आप में कोई किताब या सामग्री निर्धारित नहीं करता है। यह केवल पिछले वर्ष के प्रश्न हैं जो परीक्षा द्वारा प्रदान किए जाते हैं जिनके माध्यम से आप परीक्षा का मूल्यांकन करते हैं। मॉक टेस्ट- नियमित मॉक टेस्ट दें और अपनी कमजोरियों और शक्तियों को जानने के लिए उनका विश्लेषण करें। यह तीनों विषयों के लिए मूल नीट तैयारी रणनीति थी। नीट तैयारी: विषयवार रणनीति आइए अब विषयवार रणनीति पर चलते हैं- जीवविज्ञान (प्राणीशास्त्र और वनस्पति विज्ञान) यह हमारा पसंदीदा है और सभी छात्र इसमें बहुत अधिक समय बिताते हैं और फिर अन्य विषयों में स्कोर करने में असफल हो जाते हैं। इसलिए संतुलन जरूरी है. बुनियादी एनसीईआरटी से शुरूआत करेंऔर फिर उपरोक्त रणनीति का पालन करें। आपको एनसीईआरटी को बार-बार दोहराना चाहिए। उनकी उपेक्षा न करें. रसायन विज्ञान यह अनुभाग बहुत स्कोरिंग और तुलनात्मक रूप से आसान है। कक्षा 11वीं और 12वीं की एनसीईआरटी परीक्षा के लिए पर्याप्त से अधिक हैं। वे रसायन विज्ञान में नीट की तैयारी के लिए बाइबिल हैं। भौतिक विज्ञान यहीं पर अधिकांश छात्रों को कठिनाई होती है। लेकिन इसका मुख्य कारण अभ्यास की कमी है। छात्र जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान से इतना थक जाते हैं कि वे भौतिकी का अध्ययन करने में विलंब करने लगते हैं। हालाँकि, पिछले रुझानों को देखते हुए यह रैंक निर्णायक हो सकता है। यहां भी रणनीति वही है. पहले एनसीईआरटी को अच्छी तरह से पढ़ें और फिर किसी भी सामग्री पर आगे बढ़ें। नीट की तैयारी: सही समय सारिणी यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं जिनकी मदद से आप अपने लिए सही टाइम-टेबल तैयार कर सकते हैं। रोजाना कम से कम 8-9 घंटे सेल्फ स्टडी में लगाएं। बीच-बीच में पर्याप्त संख्या में ब्रेक लें। आपको लगातार लंबे समय तक अध्ययन नहीं करना चाहिए। प्रतिदिन 6-8 घंटे की उचित नींद लें। रिवीजन के लिए समय निकालें. उदाहरण के लिए- यदि आप 12वीं कक्षा में हैं तो 11वीं कक्षा की सामग्री को दोहराने के लिए भी समय निकालें। आराम और व्यायाम के लिए समय अवश्य निकालें। याद रखें स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मन का निर्माण होता है। नीट कोचिंग अपनी तैयारी को बढ़ावा देने के लिए एक अच्छे नीट कोचिंग संस्थान से जुड़ें। वे दिन गए जब छात्र नीट की तैयारी खुद ही करते थे। यह 1990 का दशक नहीं है दोस्तों, 21वीं सदी में प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन है और आप नीट कोचिंग के बिना इस परीक्षा को पास करने की कल्पना नहीं कर सकते (अपवाद हमेशा होते हैं, लेकिन आइए बहुमत पर ध्यान केंद्रित करें)। छात्रों के पास पहले से ही करने के लिए बोर्ड और अन्य स्कूल सामग्री है। नीट के लिए स्वयं अध्ययन करना बहुत थकाऊ हो सकता है और अनुशंसित नहीं है। नीट कोचिंग में आपको सर्वश्रेष्ठ शिक्षक मिलेंगे जो परीक्षा में आपका मार्गदर्शन करेंगे।

विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रिंसिपल
शैक्षिक स्तंभकार मलोट

इंटरनेट से दूरी क्यों बना रही महिलाएं...

दुनियां भर के काम काज से फुर्सत होकर महिलाएं अकेले में अपने लिए कुछ समय चुराना चाहती है अपने मन की लिखना चाहती हैं। अपने मानसिक तनाव को वह लिखकर हल्का करना चाहती हैं। लेकिन इंटरनेट में हो रहे दुर्व्यवहार के कारण भी महिलाएं इंटरनेट से दूरी बनाने लगी है। इसकी मूल वजह या तो घर के पारिवारिक मामले हैं जहां पर लड़कियों को और महिलाओं को एक के दायरे में रहने के लिए मजबूर किया जाता है। यह रवैया न केवल लड़कियों की प्रगति को प्रभावित कर रहा है बल्कि उनका आत्मविश्वास को भी प्रभावित कर रहा है। और अपने सामाजिक, शैक्षिक और बौद्धिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं का मन अब दायरे में सीमित हो रहा है। और यदि लड़कियां इंटरनेट का प्रयोग करती है तो सगे संबंधियों द्वारा उनके परिवार मे चुगली कर दी जाती है। अगर किसी व्यक्ति या महिला की काबिलियत पर लगातार उंगली उठाई जाए तो वह अपनी याददाश्त, महसूस करने की क्षमता और काम को परफेक्शन के साथ कर पाने की सलाहियत पर भरोसा खो बैठती है। जब महिला मानसिक उत्पीड़न और

ऐसा दुर्व्यवहार अपने नजदीकी रिश्तों या वर्कप्लेस पर झेलती है, जहां लोग उसे जानबूझ कर सताते हैं या उसके दिमाग पर सेंध लगा कर उसके सोचने समझने काबिलियत को खत्म करते हैं तो ऐसा दुर्व्यवहार गैसलाइटिंग कहलाता है। इसमें व्यक्ति या स्त्री को मजबूर कर दिया जाता है कि वह दूसरे के हाथों की कठपुतली बनी, अपने आपको किसी काम का नहीं समझती। गैसलाइटिंग से पीड़ित महिला मानसिक तनाव में रहते हुए हमेशा परेशान रहती है। इंटरनेट से दूरी बनाए रखने का एक कारण सोशल मीडिया पर हो रहे व्यवहार भी है। ऑनलाइन उत्पीड़न के कारण लड़कियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। चूंकि लड़कियों का इंटरनेट से जुड़ना पूर्वाग्रहों और दुर्व्यवहार के डर से प्रतिबंधित है, इसलिए वे खुद को टेकसैवी के रूप में नहीं देखती हैं और इंटरनेट को वे ऐसा नहीं मानती कि वह उनके लिए है। लैंगिक असमानता के चलते जहां कम से कम 61 प्रतिशत पुरुषों के पास मोबाइल फोन है, वहीं महिलाओं में यह संख्या 31 प्रतिशत पर ही रुक जाती है। यानी पूरे 30 प्रतिशत का अंतर है पर अंतर दलित महिलाओं के मुकाबले सवर्ण लोगों के पास स्मार्टफोन होने की संभावना औसतन 7 प्रतिशत ज्यादा है जहां ग्रामीण भारत की महिलायें इंटरनेट का इस्तेमाल करने के लिए संकुचित है, वहीं शहरों में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की संख्या मे बढ़ोत्तरी तो है मगर असमानता की स्थिति शहरों में भी व्याप्त है। फर्क दोगुना से भी ज्यादा का है।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों ने बैंकिग कार्यप्रणाली की जानकारी ली

जोधपुर। राजकीय विद्यालयों – बालेसर एवं सेखाला ब्लॉक के विद्यार्थियों ने AU SMALL FINANCE BANK में जाकर बैंकिग कार्यप्रणाली को जाना। नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत पांच दिवसीय इंटर्नशिप के अंतर्गत विद्यार्थियों को समाज के विभिन्न क्षेत्रों के व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए पहल की गई । इसी क्रम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुई जोधा जोधपुर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रतन सिंह की ढाणी जोधपुर से 16 विद्यार्थियों को चयनित किया गया और AU SMALL FINANCE BANK-Balesar, Jodhpur के संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों व क्रियाकलापों से परिचित होने का अवसर दिया गया। AU SMALL FINANCE BANK के DGM हेमंत ने अपने संस्थान के प्रोसेस के बारे में काफी विस्तृत तौर पर इन सभी विद्यार्थियों को जानकारी उपलब्ध करवाई । उपरोक्त विद्यालय भारती फाउंडेशन के सत्य भारती क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के अंतर्गत समर्थित हैं, जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता है ।

महावीर इंटरनेशनल एसोसियेशन जयपुर द्वारा दीपावली मिलन समारोह 18 नवंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव सेवार्थ कार्यों में अग्रणी संस्था महावीर इंटरनेशनल एसोसियेशन जयपुर के द्वारा अपने सदस्यों के मनोरंजन हेतु दीपावली मिलन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत फिल्मी सदाबहार गीतों की शानदार म्यूजिकल हाऊजी का आयोजन शनिवार, 18 नवम्बर 2023 को शाम 6 बजे से जनता कॉलोनी स्थित संस्था के भवन पर किया जाएगा। अध्यक्ष, वीर सुभाष गोलेछा एवं मंत्री वीर अनिल वैद्य ने बताया कि इस आयोजन का सांस्कृतिक सयोजक वीर राकेश नीलू गोधा को बनाया गया है।

बेगस चलो
बेगस चलो
श्री १००८ शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
ग्राम बेगस, जिला-जयपुर (राज.)
- आमंत्रण पत्रिका -
बारहवाँ वार्षिकोत्सव
रविवार, दिनांक 19 नवम्बर, 2023
- मांगलिक कार्यक्रम -
प्रात: 8.15 बजे- जिनेन्द्र अभिषेक, शान्तिधारा, नित्य नियम, ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन, शान्ति विधान पूजन, अतिथि सम्मान, कलशाभिषेक, माल के तत्पश्चात् वात्सल्य सहभोज
पावन आशीर्वाद
पूज्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्तसागर जी मुनिराज
दीप प्रज्वलनकर्त्ता
श्री राजकुमार जी श्रीमती सोनिया जी, आशीष जी
श्री नरेन्द्र कुमार जी श्रीमती संगीता जी
रुचिका जी, रचित जी रौनक जी बेगस्या, जयपुर
मुख्य अतिथि
श्री राकेश जी - श्रीमती शिल्पा जी मोदी
मुस्कान मोदी, सक्षम मोदी
नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर
झण्डारोहणकर्त्ता
श्रीमती सुमनलता जी जैन
श्री प्रदीप जी जैन, श्रीमती खुशबू जी जैन
श्री कृष्णा जी जैन, श्री निहाल जी जैन सौगानी
खातीपुरा, जयपुर
विशिष्ट अतिथि
श्री विशाल कुमार जी श्रीमती आरती जी
श्री तन्मय जी चिन्मय जी
गोमडिफेन्स कॉलोनी, वैशाली नगर
पूजन सामग्री पुण्यार्जक
स्व. श्री धर्मचन्द जी बड़जात्या की पुण्य स्मृति में
श्री प्रेमचन्द जी, चन्द्रकान्ता जी, मंजू जी,
पवन जी, हर्षित जी, दिपिका जी बड़जात्या
रेनवाल मांझी वाले, वसुन्धरा कॉलोनी, जयपुर
वास्तुविज्ञ
जैन गौरव श्री राजकुमार जी कोठ्यारी
आजीवन संरक्षकगण
पूनम चन्द ठोलिया
सुरेश छाबड़ा
एवं समस्त पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यगण
आयोजक - प्रबन्धकारिणी समिति श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, ग्राम बेगस, जिला-जयपुर (राज.)
विनीत - सकल दिगम्बर जैन समाज, ग्राम बेगस, जिला-जयपुर (राज.)
श्रेष्ठी श्रावक श्री जयकुमार-मंजू जैन
श्री सौरभ जैन-दीपिका जैन
श्री मोहित जैन-दिव्या जैन
समस्त बड़जात्या परिवार (सीकर वाले),
नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर
धारा एन्टरप्राइजेज
MOHIT JAIN
9783400123
7976347160
फोन : 99280-77213
अरिहंत पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, जयपुर
(पुस्तक प्रकाशक एवं वितरक)
सुनील - निर्मला ठोलिया
सोनल - अमन जी जैन
नमन, पुलकित ठोलिया
एवं समस्त ठोलिया परिवार
जोबनेर वाले

रिषभ जैन, बैडमिंटन की मैन्स कैटेगरी में भारत का एक उभरता हुआ सितारा...

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के मुरलीपुरा निवासी दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर के अध्यक्ष नीरज जैन के सुपुत्र रिषभ जैन, बैडमिंटन की मैन्स कैटेगरी में भारत का एक उभरता हुआ सितारा है । उन्होंने हाल ही में यूनाइटेड अरब अमीरात के दुबई में दिनांक 4 नवंबर से 8 नवंबर तक आयोजित साउथ एशियन चैंपियनशिप की बैडमिंटन स्पर्धा की सिंगल मेन्स कैटेगरी में 16 देशों के खिलाडियों से मुकाबला कर प्री क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका, क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस एवं 7 नवंबर को सेमीफाइनल में दुबई के खिलाड़ी को हराया, उसके पश्चात दिनांक 8 नवंबर को हुए फाइनल में नाइजीरिया के खिलाड़ी को कड़े संघर्ष में तीन सेट के मुकाबले में 22 झ 20, 19 झ 22, 22 झ 17 से हराकर अपने कैरियर का तीसरा इंटरनेशनल गोल्ड मेडल जीता ।रिषभ के कोच प्रदीप शर्मा ने बताया कि इससे पूर्व में भी रिषभ ने 2 नेशनल एवं दो इंटरनेशनल गोल्ड मेडल श्रीलंका एवं नेपाल में जीत कर भारतवर्ष का नाम रोशन किया है। गोल्ड जीतकर जयपुर लौटने पर रिषभ का जयपुर एयरपोर्ट पर शानदार स्वागत किया गया। रिषभ ने बताया की उनकी प्रेरणा हमेशा उनके माता झ पिता एवं परिजन रहे हैं, जिन्होंने हमेशा उनको उनके पसंदीदा खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया ।वो हमेशा कहते हैं, ₹मंजिल मिलेगी परिंदों को, ये उनके फैले हुए पर बतलाते हैं ।जीत लेते हैं वो सारा जहां, जमाने में जिनके हुनर बोलते हैं ।।₹ 14 वर्ष की आयु में बैडमिंटन रैकेट पकड़ने के बाद रिषभ ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जब खेलना शुरू किया तो वैशाली नगर स्थित अकादमी में प्रैक्टिस के लिए बस में बैठकर अकेले आते जाते थे, शुरूआत में कई बार अकादमी अकेले आने जाने में परेशानी होती थी, पर खेल के प्रति जुनून के कारण सब परेशानी भूलकर खेल पर ध्यान दिया। कई बार प्रतियोगिताओं में हार का भी सामना करना पड़ा, पर निराश होने की जगह अपनी गलतियों से सीखकर अपने खेल की बारीकियों को सुधारने पर पूरा ध्यान दिया।इसमें रिषभ के कोच प्रदीप शर्मा ने डाइट सुधारने के साथ खेल सुधारने में पूरा ध्यान दिया।खेल के प्रति डेडीकेशन और कड़ी मेहनत के कारण ही उनको 16 वर्ष की आयु में नेशनल खेलना का मौका मिला । 2019 में जम्मू - कश्मीर में नेशनल चैंपियनशिप में सिल्वर, और 2020 धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में गोल्ड मेडल जीता ।इसके

बाद 2020 में ही कोलंबो, श्रीलंका इंटरनेशनल चैलेंज में गोल्ड मेडल, और सितंबर 2023 में नेपाल इंटरनेशनल सीरीज में गोल्ड मेडल जीता ।वर्तमान में कॉमर्स कॉलेज, जयपुर में बी. बी. ए. सैकंड ईयर के छात्र रिषभ जैन खेल के साथ- साथ पढ़ाई में भी अच्छे रहे हैं। बगैर किसी ट्यूशन के 10th सी. बी. एस. सी. में 78% अंक, 12th कॉमर्स सी. बी. एस. सी. में 80% अंक अर्जित किए । रिषभ की इन अभूतपूर्व उपलब्धियों पर पूरे जैन समाज के साथ उनके सभी रिश्तेदार, मित्र, साथी, टीचर्स, कोच गौरांवित महसूस कर रहे है।

राजेश बड़जात्या:
दिगंबर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन अध्यक्ष

मानसरोवर स्टेडियम वाकर समिति का दीपावली स्नेह मिलन समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर स्टेडियम वाकर समिति का दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन स्टेडियम पार्क में आयोजित किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी एवं मंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने बताया कि समारोह में कार्यकारिणी समिति के सदस्य के साथ साथ बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर सभी सदस्यों ने एक दूसरे को दीपावली पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सभा में निर्णय किया गया कि आगामी रविवार दिनांक 19-11-2023 को जनरल बोडी की मीटिंग आहूत कर द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा कर दी जाय। मंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने पधारें सभी सम्माननीय सदस्यों को धन्यवाद दिया एवं उपस्थित सभी सदस्यों को अल्पाहार के लिए आमंत्रित किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

डॉ. सत्यवान सौरभ को पंडित प्रताप नारायण मिश्र राष्ट्रीय युवा साहित्यकार सम्मान 2023

हिसार/भिवानी. शाबाश इंडिया

स्कूल की प्रार्थना सभा में बोलना और रोजाना नोटिस बोर्ड पर काव्य पंक्तियाँ लिखने वाले बच्चे ने आज सालों बाद साहित्यकार बनने का सफर तय कर डाला। साहित्य के काव्य क्षेत्र में योगदान देने वाले भिवानी जिले के गाँव बड़वा निवासी डॉ सत्यवान सौरभ का काव्य विधा में श्रेष्ठ लेखन के लिए पूरे देश से पंडित प्रताप नारायण मिश्र युवा साहित्यकार सम्मान के लिए चयन हुआ है। हरियाणा के भिवानी जिला के गांव बड़वा के नवोदित साहित्यकार डॉ सत्यवान सौरभ को भाऊराव देवरस सेवा न्यास लखनऊ द्वारा पंडित प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा साहित्य सम्मान- 2023 पुरस्कार दिया जाएगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवम पर्यावरण मंत्री डॉ अरूण सक्सेना के कर कमलों द्वारा लखनऊ के निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु विहार के माधव सभागार में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में डॉ सौरभ को स्मृति चिन्ह, शारदे प्रतिमा, शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं 25000 रुपए राशि का चेक प्रदान किया जाएगा। भाऊराव देवरस सेवा न्यास पिछले 29 वर्षों से पं. प्रताप नारायण मिश्र युवा साहित्यकार सम्मान से छह साहित्यकारों को सम्मानित करता आया है। डॉ. सौरभ इनमें हरियाणा के इकलौते साहित्यकार है। न्यास 40 वर्ष तक की आयु वाले साहित्यकारों को उनकी मौलिक रचनाधर्मिता के लिए सम्मानित और पुरस्कृत करता है। इस बार काव्य विधा में हरियाणा के डॉ सत्यवान सौरभ को पुरस्कृत किया जाएगा।

हर साहित्यकार को 25 हजार रुपये धनराशि के साथ सरस्वती प्रतिमा, न्यास का बोध चित्र स्वास्तिक और पंडित प्रताप नारायण मिश्र का साहित्य देकर सम्मानित किया जाएगा। न्यास के संयोजक डॉ. विजय कुमार करण ने बताया कि हरियाणा के युवा साहित्यकार डॉ सत्यवान सौरभ को यह पुरस्कार उनके दोहा संग्रह ''तितली है खामोश'' पर दिया गया है। न्यास के संयुक्त सचिव ने बताया कि प्रतिवर्ष दिए जाने वाले इस पुरस्कार को इस वर्ष देश के युवा साहित्यकारों को दिया जाएगा। डॉ सत्यवान सौरभ वर्तमान में हरियाणा के उभरते साहित्यकारों में से एक है। दैनिक संपादकीय लेखन में ये देश भर में प्रसिद्ध है और आए रोज इनके लेख देश-विदेश के हजारों अखबारों में विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित होते हैं। इनकी अब तक 4 पुस्तकें यादें, कुदरत की पीर, परियों से संवाद, तितली है खामोश सभी हिंदी भाषा में और एक अंग्रेजी भाषा में 'इश्यूज एंड पैन' प्रकाशित हो चुकी हैं। डॉ सत्यवान सौरभ के दोहों और कविताओं की सौरभ देश ही नहीं विदेशों तक फैली है। ईरान, फिजी, सूरीनाम, मारीशस जैसे हिंदी को पसंद करने वाले देशों की पत्रिकाओं में सत्यवान सौरभ के दोहे खूब प्रकशित किये जाते है। सौरभ के दोहे दो पंक्तियों में होने के प्रभाव से जल्दी याद हो जाते है और मारक क्षमता इतनी की किसी के दिल की बात ही कह दी हो। डॉ सत्यवान सौरभ देश के ऐसे लेखक/कवि है जिनकी पहली पुस्तक मात्र कक्षा दसवीं में पढाई के दौरान यादें नामक काव्य संग्रह के रूप में आई और तब से ये खूबसूरत सफर जारी है और अपनी सौरभ से देश-विदेश को महका रहा है।

105 आर्यिका रत्न भरत्तेश्वरी माता जी ससंघ का बड़ी धूमधाम और भव्य जुलूस के साथ हुआ विहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

105 आर्यिका रत्न भरत्तेश्वरी माता जी ससंघ का बड़ी धूमधाम और भव्य जुलूस के साथ बगरू से एसएफएस दिगंबर जैन मंदिर राजावत फार्म मानसरोवर के लिए विहार हुआ। एसएफएस दिगंबर जैन मंदिर राजावत फार्म मानसरोवर समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया एसएफएस दिगंबर जैन मंदिर से आज समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी, लालचंद जैन झं'झरी, विजय कुमार बोहरा, इंदर चंद , विनोद झांझरी, सुरेंद्र ,राजेंद्र जैन, महावीर प्रसाद काला, डॉक्टर नरेंद्र लौंगया, निहालचंद जैन, महिला मंडल से पुष्पा बोहरा, शिखा सोगानी, विधानमंडल के सहयोग करता नरेंद्र अनिल अनुज कासलीवाल परिवार ने माता जी को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया । अष्टानिका महापर्व पर 105 आर्यिका रत्न भरतेश्वरी माता जी के सानिध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन के मुख्य सहयोग कर्ता नरेंद्र कासलीवाल परिवार फागी वालों के सहयोग से दिनांक 20नवम्बर से प्रारंभ होगा। माता जी का आज बगरू से

विहार कर कलवाड़ा जैन मंदिर पर रात्रि विश्राम हुआ कल यहां से विहार होकर नेवटा जैन मंदिर में देव दर्शन के बाद आहार होगा । सायंकॉल 4:00 बजे मुहाना दिगंबर जैन मंदिर में रात्रि विश्राम होगा दिनांक 19 को प्रातः माताजी का भव्य जुलूस के साथ एसएफएस दिगंबर जैन मंदिर में प्रवेश होगा।

जैन सोशल ग्रुप हेरिटेज सिटी की विदेश यात्रा शुरू

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप हेरिटेज सिटी का विदेश भ्रमण की कड़ी में वियतनाम के लिए प्रस्थान। ग्रुप सचिव अरुण पाटनी ने बताया की ग्रुप अध्यक्ष नितिन पाटनी के संयोजन में महावीर नगर जैन मंदिर से 30 सदस्यों का एक दल दोपहर 1 '.00 बजे बस द्वारा दिल्ली एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ। ग्रुप सदस्यों की यात्रा बस को जे एस जी इंटरनैशनल फेडरेशन नॉर्दन रीजन चेयरमैन महेंद्र सिंघवी ; महावीर नगर जैन मंदिर के अध्यक्ष अनिल जैन साहब ने हरी झंडी दिखाकर मंगलमय शुभ कामनाओं के साथ प्रस्थान कराया। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज पूर्व अध्यक्ष मुकेश कासलीवाल, महावीर सेठी सहित अन्य कई सदस्य उपस्थित हुए। नितिन पाटनी ने बताया कि ये दल विदेश में शाकाहार व जैन धर्म का प्रचार प्रसार करेगा। सभी अतिथियो बात का आभार व्यक्त किया गया।

अर्चना शर्मा ने राजा पार्क में कार्यालय का किया उद्घाटन

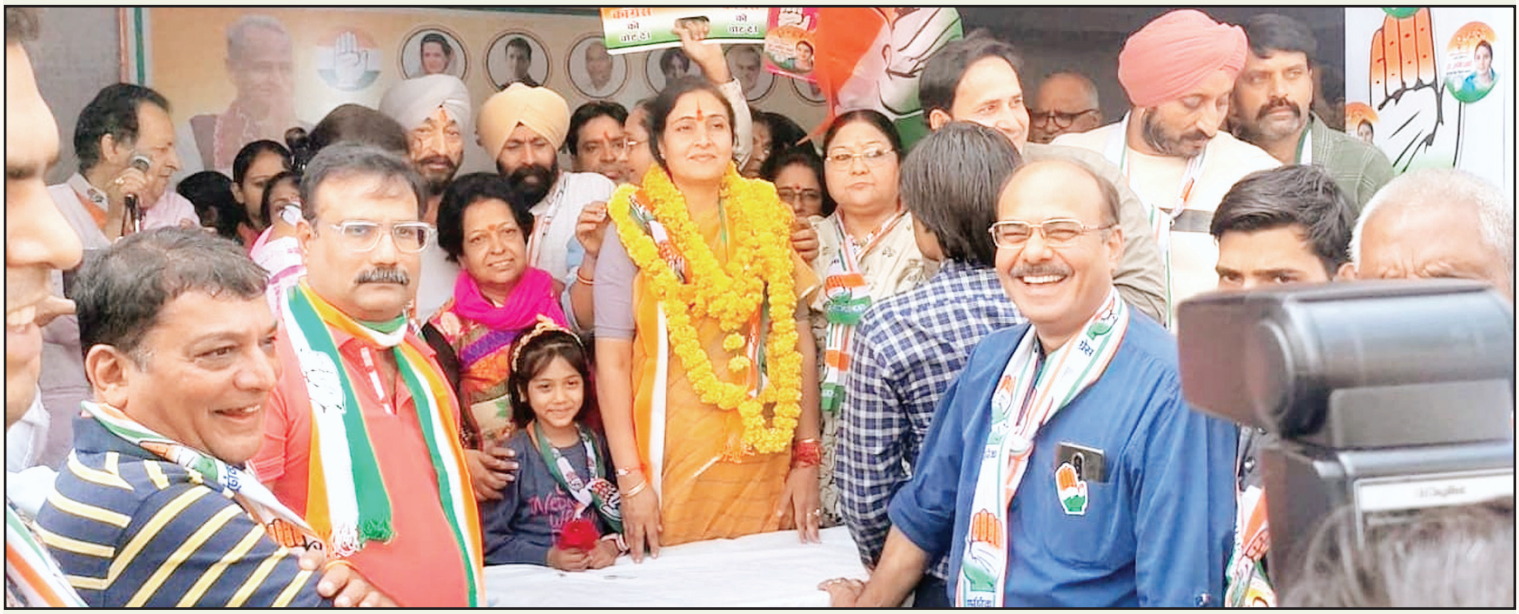

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजापार्क में कार्यालय उद्घाटन के दौरान डॉक्टर अर्चना शर्मा का स्थानीय निवासियों ने स्वागत किया महिलाओं ने सरकार द्वारा दी जा रही गारंटी योजना के लिए आभार जताया और कांग्रेस को जीतने का संकल्प लिया डॉ अर्चना शर्मा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार आई तो महिलाओं के लिए जो योजनाएं चली चलाई जा रही है वह लगातार पुरी की जाएगी। मालवीय नगर के क्षेत्र के विकास कार्यों को रोकने नहीं दिया जाएगा अभी तक 1500 करोड़ से भी ऊपर के कार्य हो चुके हैं आगे भी वादा करती हूं कि क्षेत्र के विकास का वादा है। इस अवसर पर अर्चना शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता अब चुनाव के लिए कमर कस ले। मतदान में अब महज कुछ ही दिन बाकी है। हमें घर-घर एक मतदाता तक कांग्रेस सरकार की 7 गारंटी योजनाओं और चुनावी वादों को पहुंचना है।

द रमाना ग्राण्ड में हुआ भव्य पिंछिका परिवर्तन एव चातुर्मास निष्ठापना समारोह का आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया

16 नवंबर को आगरा के प्रतापपुर चौराहा स्थित द रमाना ग्राण्ड में सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज के आशीर्वाद से गणिनी आर्यिका श्री आर्षमति माताजी ससंघ के सानिध्य एवं ज्ञानार्ष वर्षायोग समिति ओल्ड ईदगाह कॉलोनी के तत्वावधान में भव्य पिंछिका परिवर्तन सानिध्य एव चातुर्मास निष्ठापना समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ आर्यिका संघ के सानिध्य में भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ तत्पश्वात बाहर से पधारे सौभाग्यशाली गुरुभक्तों ने समाधिस्थ आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रजव्वलन कियो इसके साथ ही समस्त महिला मंडलों एव बालिका मंडलों द्वारा भक्ति गीत पर बहुत सुंदर नृत्य कर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। साथ ही फिरोजाबाद से पधारे संगीतकार शैंकी जैन के मधुर भजनों पर भी नृत्य प्रस्तुत कियो इस अवसर पर आयोजन समिति ने बाहर से पधारे सभी भक्तों का तिलक एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत सम्मान किया। इस दौरान गुरुमां संघ के सानिध्य में राहुल विहार जैन मंदिर में 19 नवंबर से 26 नवंबर तक होने वाले श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ की पत्रिका का विमोचन आचार्य विद्यासागर नवयुवक मंडल द्वारा किया गया। इसके बाद गुरूभक्तों ने गुरुमा का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट किए। समारोह के मध्य में गणिनी आर्यिका श्री आर्षमति माता जी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए भक्तों से कहा कि साधन से नहीं साधना से ही मुक्ति मिल सकती है। संयम का प्रतीक है पिच्छी और पिच्छी साधु के संयम का उपकरण है। इसके पांच गुण होते हैं। साधु हमेशा अपने पास पिच्छी रखते हैं। संयम में सहायक होती है। पिच्छी आचरण- संयम में परिवर्तन का बोध कराती है इसके बाद सौभाग्य शाली गुरूभक्तों ने आर्यिकासंघ को नवीन पिच्छी भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन पर गुरुमां संघ का मंगल विहार द रमाना ग्राण्ड से राहुल विहार जैन मंदिर के लिए हो गया। कार्यक्रम का संचालन पुनीत जैन एवं पंडित शशिकांत जैन शास्त्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम की व्यवस्था ज्ञानार्ष महिला मंडल द्वारा संभाली गई। इस अवसर पर रूपेश जैन चांदी वाले,विकास कुमार जैन, राजकुमार जैन,अतुल कुमार जैन विवेक जैन,अनिल जैन, राजेश जैन आशीष जैन,दीपा जैन,पायल जैन, रानीका जैन,समग्र ओल्ड ईदगाह कॉलोनी जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

रिपोर्ट:
मीडिया प्रभारी शुभम जैन

डॉ अर्चना शर्मा के द्वारा वार्ड 128 के मुक्तानंद नगर में जनसंपर्क

जयपुर. शाबाश इंडिया। मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ अर्चना शर्मा के द्वारा वार्ड 128 के मुक्तानंद नगर में जनसंपर्क किया गया। जनसंपर्क अभियान के तहत मुक्तानंद नगर कॉलोनी के श्री राधा गोविंद मंदिर के बाहर एक विशाल मीटिंग का आयोजन किया गया । जिसमें उपस्थित सभी मातृशक्ति व कॉलोनी वासियों ने डॉ अर्चना शर्मा जी का 50 किलो फूलों की विशाल माला से भव्य स्वागत किया। मीटिंग में सुरेन्द्र शर्मा अध्यक्ष मुक्तानंद नगर विकास समिति, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट विनोद पाटनी, मुकेश जायसवाल, राजेश शर्मा, पवन खंडेलवाल, राजेंद्र शर्मा, शिवचरण बड़गोती, अखिल शर्मा, सुरेंद्र खंडेलवाल, माणकचंद जैन, राजमल जैन, मंजू जैन, सुमन पाटनी, अंजना शर्मा, उमा खंडेलवाल, रेखा शर्मा, उर्मिला शर्मा, पिंकी सेठी, ममता जैन, नीरज पाटनी, नीरज काला एवं महावीर नगर से अनिल जैन रिटायर्ड आईपीएस, महेश काला सूर्य प्रकाश छाबड़ा, अक्षय जैन, बनवारी लाल गुप्ता, हरिनारायण शर्मा, मदन लाल शर्मा, ब्रजकिशोर अग्रवाल, पवन मंगल, सतीश शर्मा, डॉ सुरेन्द्र मोहनपुरिया आदि के अतिरिक्त मुक्तानंद नगर के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। डॉ अर्चना शर्मा ने अपने उद्बोधन में सभी से दिनांक 25 नवंबर 2023 को मतदान के दिन अर्चना शर्मा को वोट देकर विजय बनाने की अपील की एवं मंगल भवन अमंगलहारी, अर्चना शर्मा सब पर भारी, की पंक्तियों से सभी को गदगद कर दिया। मीटिंग के अंत में विकास समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा के द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया एवं उपस्थित सभी सज्जनों एवं मातृशक्ति से डॉ अर्चना शर्मा को वोट देकर विजयी बनाने की अपील की।

स्वर्ग, मोक्ष न कोई चाहे ...

इंजिनियर अरुण कुमार जैन

दीप जलाओ प्रिय ऐसा तुम,
मन को जो आलोकित कर दे.
सत्य, प्रेम के नव प्रकाश को,
सबके रोम -रोम में भर दे...
घर के आंगन दीप जलाओ,
नेह, प्रेम हर मन में आये.
हो मुंडेर पर दीपमलिका,
आलोकायन भू पर आये.
पावन, निर्मल छवि नयनों में,
तृप्ति सुधा का सागर भर दे...
देवालय में दीप जलाओ,
भक्तिभाव हर मन में आये,
कटुता, द्वेष तमसक्षय कर दे,
मानवता का वर जग पाए.
सेवा कर जग दीन, दुखी की,
उनके संतापों को हर ले...
सीमा पर एक दीप जलाकर,
राष्ट्रभक्ति हर जन को देना,
जब चाहो हे मातृभूमि,
मेरे प्राणों को तुम ले लेना.
ऐसे भावों का चिंतन ही,
कोटि जनों के मन में भर दे...
एक दीप औषधिमंदिर में,
जो निरोगता जग में लाये.
वर्षो से पीड़ित, वेबस जो,
उनकी व्याधि शमन कराये.
स्वस्थदेह उपहार आनोखा,
प्राणिमात्र को अर्पित कर दे..
खेतों में भी एक दीप हो,
श्रमलोक हर मन में ला दे,
'है हराम, आराम हमें,
हर देशवासी के मन ला दे,
श्रम की करे तपस्या भारत,
सोना उगले, धरती वर दे..
एक दीप तममय खानों में,
मन का तम भी दूर हटा दे,
जीवन अंधकूप लगता है,
मन से ऐसे भाव मिटा दे.
अधरों पर लाकर मुस्काने,
इनके नाम भी,कुछ सुख कर दे.
दीपों के निर्मल प्रकाश से,
जड़- चेतन आलोकित होगा,
सपना मेरे गाँधी जी का,
रामराज्य इस भू पर होगा.
स्वर्ग-मोक्ष न कोई चाहे,
ऐसा अनुपम भारत कर दे.
दीप जलाओ प्रिय..

अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद
मो.7999469175

आर्यिका 105 भरतेश्वमति माताजी का बगरु से मंगल विहार हुआ

17 नवंबर की आहार चर्या नेवटा जैन मंदिर में तत्पश्चात विहार कर रात्रि विश्राम पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार, मुहाना मंडी में होगा

जयपुर. शाबाश इंडिया। आर्यिका 105 भरतेश्वमति माताजी का 16.11.23 को बगरु से मंगल विहार होकर दिनांक 17.11.23 की आहार चर्या नेवटा जैन मंदिर में होगी, तत्पश्चात नेवटा जैन मंदिर से सायंकाल 3.30 पर विहार कर रात्रि विश्राम पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार,मुहाना मंडी में होगा। अध्यक्ष पवन गोदिका ने बताया कि 18.11.23 को आहार चर्या पारस विहार मे होगी। 19.11.23 को प्रातः पारस विहार से मंगल विहार होकर एस. एफ. एस. आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मे भव्य मगल प्रवेश होगा।

वरसी महोत्सव का समापन हुआ

कोटा. कासं। सिंधी समाज के संत बाबा पंजूराम साहब का वर्सी महोत्सव गुरुवार को सम्पन्न हो गया। इस मौके पर टीकम आहूजा, लखू भगत, दिनेश, गिरीश कृपलानी, गुलशन माखीजा, आत्माराम ने गीत संगीत का कार्यक्रम किया। बाबा पंजूराम कयो दया... बाबा पंजूराम जी महिमा निराली आ सरीखे गीत गाए। श्रद्धालुओं ने गीतों पर नृत्य किया। अखंड पाठ की पूर्णाहुति पर सिंधी परंपरा से समाज के मुख्य पदाधिकारियों ने पंचायत के अध्यक्ष ओम अडवानी, हितेश जग्यासी, धर्मशाला अध्यक्ष गिरधारी पंजवानी, जेठानंद लालवानी, पुरुषोत्तम छाबड़िया आदि मौजूद रहे। संत नंदलाल के सानिध्य में सिन्धी परंपरा से रुमाल की पूजा पल्लव अरदास की। संत पीतांबरदास ने पूर्णाहुति पाठ किया। महाआरती के बाद भंडारा किया। इसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सिन्धी समाज के संत बाबा पंजूराम साहब के तीन दिवसीय वरसी महोत्सव का समापन।